में बीज ग्राम योजना, प्रमाणित बीजों का वितरण, खुदरा बिक्री केन्द्र खोलना तथा बीज मिनिकिटों का वितरण शामिल है।

भारत सरकार भारतीय राज्य फ़ार्म निगम और राष्ट्रीय बीज निगम से आधारी और प्रमाणित बीजों की सप्लाई के जरिए मध्य प्रदेश सहित राज्य सरकारों को मदद देती है। राज्य कृषि विभाग की मांगें पूरी करने की जिम्मेदारी मूल रूप से राज्य बीज निगमों की है। प्रजनक बीज का उत्पादन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की प्रणाली के अन्तर्गत किया जाता है तथा राज्य सरकार को उसका आवंटन आगे और संवर्धन के लिए मुफ्त किया जाता है।

मध्य प्रदेश में "रामतिल" का उत्पादन

2694. **श्रीमती रत्न कुमारी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में आदिवासियों की प्रमुख तिलहन फ़सल "रामतिल" है ;

(ख) इसका कुल कितना उत्पादन होता है और यह फ़सल आदिवासी क्षेत्र में कुल कितनी भूमि में उगाई जाती है ;

(ग) क्या इस फ़सल का समर्थन मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या विदेशों में भी "रामतिल" की मांग है ; यदि हां, तो इसके निर्यात के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं; और

(ङ) क्या "रामतिल" के निर्यात की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस फ़सल पर कोई अनुसंधान कार्य किया जा रहा है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्यमंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) और (ख) जी, हां। रामतिल की खेती मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में होती है। 1989-90 के दौरान इस राज्य में रामतिल का क्षेत्र और उत्पादन क्रमशः 2.20 लाख हैक्टेयर है तथा 0.42 लाख मीटरी टन होने का अनुमान है।

(ग) केवल मुख्य तिलहनों अर्थात् मूंगफली, सुरजमुखी, सोयाबीन, तोरिया-सरसों तथा कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा भारत सरकार द्वारा की जाती है। रामतिल एक गौण तिलहन है और इसका उत्पादन भी न्यूनम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत आने वाली तिलहनों की तुलना में नगण्य है इसलिए इसे इस योजना के अन्तर्गत नहीं लाया गया है।

(घ) जी, हां। नई आयात-निर्यात नीति (1990-93) के अनुसार पहली अप्रैल, 1990 से रामतिल का निर्यात भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लि. (नैफ़ेड) तथा भारतीय आदिवासी सहकारी विपणन विकास संघ लि. (ट्राइफ़ेड) के माध्यम से किया जाता है।

(ङ) जी, हां। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तिलहन संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तत्वावधान में रामतिल के सुधार के लिए अनुसंधान कर रहा है।

Procurement of Wheat

2695. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what target has been fixed with regard to the procurement of wheat by Government and the percentage thereof expected to be achieved;

(b) whether it is a fact that Government agencies have refused to

purchase even the slightly wet wheat in Meerut division during the unseasonal rain in the current year; and

(c) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL): (a) No targets of procurement are fixed as wheat is procured against voluntary sale by farmers under Government's price support scheme. As on 24-8-1990, a quantity of 110.72 lakh tonnes of wheat has been procured during the current rabi marketing season 1990-91, as compared to 90.04 lakh tonnes procured during 1989-90 rabi season.

(b) and (c) Specifications prescribed for procurement of wheat under price support scheme provide for acceptance of wheat stocks upto moisture level 12 per cent without any cut and upto 14 per cent with full value cut over 12 per cent.

On account of unseasonal rains in U.P., a relaxation in the wheat specifications was allowed in respect of lustre lost grains with no damage to kernel upto 20 per cent wihtout any price cut for procurement for Central Pool. A further relaxation for lustre lost grains, with no damage to kernel, upto 50 per cent without any price cut for procurement for the Central Pool from farmers was allowed in respect of districts Bulandshahar, Muzaffarnagar, Saharanpur, Meerut and Ghaziabad subject to the conditions that stocks procured under relaxed specifications be stacked separately and issued to the State Government of U.P. for distribution through public distribution system against Central allocation on priority bas's. These relaxations were operative till 31st July, 1990.

Schemes for the welfare of handicapped and blind persons

2696. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any comprehensive scheme for the welfare of the handicapped and blind persons in the country; if so, the details thereof; and

(b) what is the number of handicapped and blind in the country as on 30th June, 1989, State-wise, and what steps have been taken so far by Government for the welfare of such persons indicating the number thereof employed so far?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN): Yes, Sir. The details are given in Annexure-V. [*See* Appendix CLV Annexure No. 91].

(b) No information is available about the number of handicapped and blind in the country as on 30th June, 1989. However, according to survey conducted by National Sample Survey Organisation in 1981, Category-wise, State-wise total number of estimated handicapped persons in the country are given in the statements at Annexures I to IV [*See* Appendix CLV, Annexure No. 91] The major schemes and programmes being implemented and jobs provided to the handicapped including the blind during the last 3 years is given in Annexure V. [*See* Appendix CLV, Annexure No. 91]

Special Foodgrains Production Programme in Andhra Pradesh

2697. SHRI TALARI MANOHAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether a special foodgrains production programme has been launched to give boost to agricultural production in Andhra Pradesh; and